जलतरंग एक दुर्लभ वाद्य संरक्षण और चुनौतिया

शिवानी शुक्ला

प्रचलन से दूर होते इस लुप्तप्राय प्राचीन दुर्लभ वाद्य जलतरंग वाद्य की वादन तकनीकी के संरक्षण से ही जलतरंग वादन परम्परा के संवर्धन और संरक्षण के उपाय का मार्ग आलोकित होता है।

संगीतवादन के क्षेत्र में प्राचीनतम वाद्यों में से एक तथा लुप्तप्रायः होने वाले वाद्य जलरंग (प्राचीन नाम उदक वाद्य) की वादन परम्परा को बचाने के गुरू निर्दिष्ट एवं स्वानुभव प्राप्त उपायों से वाद्य तथा वादन मूलक बाधाओं का निराकरण किया जा सकता है तथा इस प्राचीन दुर्लभ वाद्य तथा वादन को संरक्षण प्रोत्साहन व संवर्धन मिल सकता है।